# ऑनलाइन मॉनिटरिंग का सिस्टम भी डांवाडोल

जयपुर

cityreporter.jaipur@patrika.com

निःशुल्क दवा योजना राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (आरएमएससी) और अस्पतालों के बीच अव्यवस्था के भंवर में फंसी है।

अस्पतालों में दवा उपलब्धता की जानकारी आरएमएससी तक रोजाना पहुंचाने के लिए करीब दो साल पहले ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया था। रोजाना शाम को दवा वितरण केन्द्र के फार्मासिस्ट या कम्प्यूटर ऑपरेटर उपलब्ध दवाओं का डाटा फीड करता था। निगरानी के अभाव में यह मॉनिटरिंग सिस्टम भी डांवाडोल हो गया है। हालत यह है कि कहीं ऑपरेटर या फार्मासिस्ट ने अपनी मर्जी से डाटा फीड कर दिया तो ठीक, वरना कोई पूछने वाला नहीं। सूत्रों के अनुसार इस व्यवस्था के संचालन में सरकारी अस्पतालों में मरीजों का लगातार बढ़ रहा दबाव भी बड़ी समस्या है। मरीजों की भारी भीड़ के कारण वहां तैनात कर्मचारियों को रोजाना शाम तक डाटा फीड करने का समय ही नहीं मिल पाता।

## आरएमएससी का नियंत्रण नहीं

सूत्रों के मुताबिक आरएमएससी का काम सिर्फ दवा आपूर्ति तक सीमित रह गया है। दवा वितरण केन्द्रों के कर्मचारी चिकित्सा विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन आते हैं। ऐसे में कहीं से कोई काम नहीं करता है तो आरएमएससी सीधे कोई नियंत्रण कर ही नहीं पाती।

**इनकी भी कार्यक्रमों में ड्यूटी :** इस समय प्रदेश के दवा वितरण केन्द्रों पर पहले से मरीजों के दबाव की तुलना में फार्मासिस्टों की कमी है। वहीं इनके कर्मचारियों की ड्यूटी भी चुनाव व भामाशाह कार्ड जैसे कार्यक्रमों में लगा दी जाती है। इससे योजना के सुचारू संचालन में कई बार बाधा आती है।

### निःशुल्क दवा

- दवा खत्म होते ही आरएमएससी को ऑनलाइन जानकारी के लिए बनाया था सिस्टम
- फार्मासिस्ट या ऑपरेटर डाटा न भरे तो कोई देखने वाला ही नहीं

ऑनलाइन मॉनिटरिंग का सिस्टम तभी सफल हो सकता है, जब फार्मासिस्टों और कम्प्यूटर ऑपरेटरों की ओर से रोजाना दवाओं की उपलब्धता का डाटा फीड किया जाए। जहां के कर्मचारी डाटा फीड कर देते हैं, वहां के डाटा हमें मिल जाते हैं। कई जगह समयाभाव के कारण समय पर नहीं हो पाते होंगे।

**मनोज कुमार नाग,** मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आरएमएससी

# जिलों में जाओ, दवा उपलब्ध कराओ

**जयपुर** निःशुल्क दवा योजना के तहत दवा काउंटरों पर दवाओं की अनुपलब्धता पर चिकित्सा मंत्री राजेन्द्र राठौड़ ने राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन के आला अधिकारियों को फटकार लगाते हुए जिलों के दौरे करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने दवाओं की अनुपलब्धता वाले जिलों में आरएमएससी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों को भेजकर वितरित की जा रही दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित कर उन्हें रिपोर्ट देने के लिए कहा है। राजस्थान पत्रिका में दवाओं की अनुपलब्धता के संबंध में सोमवार और मंगलवार के अंक में पोल खुलने के बाद राठौड़ ने सभी जिलों में स्थित अस्पतालों में निर्धारित मात्रा में दवाओं की आपूर्ति पर कड़ी नजर रखने और दवाइयों की सही समय पर उचित मांग भेजने की समुचित व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए हैं।

**स्वास्थ्य समितियां भी करें समीक्षा :** राठौड़ ने जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्वास्थ्य समितियों की बैठकों में भी समीक्षा करने सहित दवा खरीद में उच्च गुणवत्ता की दवाइयां बनाने वाली फर्मों को ही निविदा प्रक्रिया में शामिल करने की जरूरत बताई।

पत्रिका में प्रकाशित समाचार